उवाच “

दो कर्मचारी संक्रमित हुए हैं जिन्हें उपचार के लिए भेज दिया गया है। इसके अलावा दो अन्य कर्मचारियों को भी बुखार आदि की शिकायत है जिनको जांच के लिए भेजा है।

मयंक शर्मा, शाखा प्रबंधक

कैपिटल ज़ोन

डबल डेकर बस की टक्कर से कार चालक की मौत

रबूपुरा, 20 अप्रैल (देशबन्धु)। किसी कार्य से नोएडा जाकर यमुना एक्सप्रेस वे के रास्ते वापस लौटते समय जेवर क्षेत्र निवासी युवक की ईको कार में तेज गति डबल डेकर बस ने टक्कर मार दी। हादसे में कार चालक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को मार्ग से हटाकर यातायात सुचारू कराया एवं बस को जब्त कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी अनुसार जेवर के गांव नगला गनेशी पूरन पुत्र धर्मसिंह अपनी ईको कार लेकर किसी कार्य से नोएडा गया था। बताया जाता है यमुना एक्सप्रेस वे के रास्ते वहां लौटते समय मंगलवार तड़के करीब 3 बजे खेड़ा मौहम्दाबाद अंडर पास पर पीछे से आ रही तेज गति डबल डेकर बस ने कार में टक्कर मार दी। हादसे में पूरन की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर बस को कब्जे लिया गया है। अभी मामले में कोई लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

बाइक बोट घोटाले के आरोपी अजीत भाटी की एक करोड़ की सम्पत्ति कुर्क

माफियाओं पर कार्रवाई करते हुए लगभग 132.55 करोड़ रूपए की संपत्ति हो चुकी है कुर्क

ग्रेटर नोएडा, 20 अप्रैल (देशबन्धु)। अरबों के बाइक बोट फर्जीवाड़े में मुख्य आरोपित संजय भाटी का सहयोग करने वाले गैंगस्टर एक्ट निरुद्ध अजीत भाटी उर्फ आदेश भाटी के ओमीक्रोन -3 सेक्टर स्थित प्लूमेरिया गार्डन सोसाइटी में कीमत करीब 01 करोड़ 04 लाख 92 हजार 950 रुपए को कुर्क किया गया। पुलिस टीम ने फ्लैट को सील कर नोटिस चस्पा कर दिया है। इससे पहले अभी तक गैंगस्टर-माफियाओं पर कार्रवाई करते हुए लगभग 132 करोड़ 55 लाख रूपए की संपत्ति को कुर्क किया जा चुका है। बाइक बोट फर्जीवाड़े के मुख्य आरोपित संजय भाटी जिला जेल में बंद है। गैंगस्टर एक्ट में निरुद्ध आदेश भाटी ने संजय भाटी के साथ मिलकर 50 लाख रुपए कमाए थे। रिश्ते में संजय भाटी का चाचा लगता है।

अप्रैल 2020 में आदेश भाटी जिला जेल में संजय भाटी से मिलने जा रहा था, इसी दौरान पुलिस ने आरोपी को भाटी चौक से गिरफ्तार किया था। पुलिस का कहना है कि फर्जीवाड़े में आदेश भाटी संजय भाटी की मदद करता था। आरोपित का निवेशकों को झांसा देकर रकम लगवाने में योगदान रहा है। आरोपित से पूछताछ के बाद पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया था। अरबों के बाइक बोट फर्जीवाड़े के बाद कुर्क संपत्ति के मालिक गए आदेश भाटी ने निवेशकों की किस्त बंद होने और संजय भाटी के फरार होने के बाद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। आदेश भाटी ने संजय भाटी व अन्य आरोपियों के इशारे पर निवेशकों को पोस्टडेटेड चेक दिए थे। करोड़ों रुपए के चेक हस्ताक्षर गलत होने व खाते में रकम न होने के कारण बाउंस हो गए थे।

बैंक कर्मचारी कोरोना संक्रमित, लोगों में दहशत

रबूपुरा, 20 अप्रैल (देशबन्धु)। देश में तेजी से फैल रही कोरोना महामारी ने ग्रामीण क्षेत्र में भी पैर पसारने शुरू कर दिए हैं। कस्बा स्थित एक बैंक के दो कर्मचारियों के कोरोना संक्रमित मिलने के साथ ही बैंक स्टाफ व लोगों में दहशत का माहौल पैदा हो गया है। हालांकि संक्रमितों को उपचार के लिए भेज दिया गया है तथा बैंक में कार्य बंद कर सैनिटाईज कराया गया है। शाखा प्रबंधक ने अन्य कर्मियों की भी जांच कराने की बात कही है तो वहीं स्वास्थ्य विभाग ऐसी किसी जानकारी से इंकार कर रहा है। जानकारी अनुसार कस्बा स्थित एक बैंक में दिल्ली से आने वाले कैशियर व गाजियाबाद से आने वाले फील्ड़ ऑफिसर की कोरोना रिपोर्ट पॉजेटिव आने के बाद अन्य कर्मचारियों में भी हड़कंप मच गया। जिसके चलते बैंक में मंगलवार को कार्य बंद कर दिया गया। शाखा प्रबंधक मयंक शर्मा ने बताया कि दो कर्मचारी संक्रमित हुए हैं जिन्हें उपचार के लिए भेज दिया गया है। इसके अलावा दो अन्य कर्मचारियों को भी बुखार आदि की शिकायत है जिनको जांच के लिए भेजा है। बैंक परिसर में कार्य बंद कर सैनिटाईजेशन किया गया तथा अन्य कार्यदिवस में लगातार कार्य जारी रहेगा।

डॉक्टर साहब क्या बेड मिल जाएगा!

- **बढ़ते कोरोना मरीजों के चलते अस्पताल में बेड पाना बड़ी चुनौती**
- **शहर के निजी अस्पतालों में आक्सीजन की भारी किल्लत**

ग्रेटर नोएडा, 20 अप्रैल (देशबन्धु)। कोरोना के बढ़ते मामले को लेकर शासन प्रशासन के हाथ पांव फूलने लगे हैं, लगातार कोविड-19 मरीजों की संख्या बढ़ने के साथ अस्पतालों में मरीजों के लिए एक बेड मिलना बड़ी चुनौती बन गई है। लोग फोन कराकर बेड मांग रहे हैं लेकिन उन्हें भर्ती होने के लिए बेड नहीं मिल पा रहा है। जिला प्रशासन ने कोरोना मरीजों के देखते हुए निजी अस्पतालों को कोविड अस्पताल में तब्दील जरुर कर दिया है, लेकिन अस्पतालों में मरीजों को समुचित सुविधा मिलना एक चुनौती जरुर साबित हो रही है।

एक तरफ मरीजों की स्थिति बिगड़ रही है तो वहीं अस्पताल प्रशासन के लिए मरीजों को आक्सीजन मुहैया कराना बड़ी चुनौती हो गयी है। शहर में जिन अस्पतालों को कोविड में तब्दील किया गया है वहां आक्सीजन की समुचित व्यवस्था नहीं होने से लोग परेशान हैं। इस महामारी में मरीजों की जान बचाना डॉक्टरों के लिए चुनौती बनी हुई है, आखिर मरीजों को प्राणवायु नहीं मिल पायेगी तो डॉक्टर कितना काम करेंगे।

ग्रेटर नोएडा में अधिकतर निजी अस्पताल आक्सीजन देने वाली एजेन्सी पर निर्भर हैं, आक्सीजन की मांग बढ़ने के साथ अस्पतालों में आक्सीजन की कमी पड़ गयी है। अस्पताल प्रशासन मरीजों को बचाने के लिए आक्सीजन के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।

एक निजी अस्पाताल के मेडिकल सुप्रिटेन्डेन्ट ने बताया लिक्विड आक्सीजन की कमी नहीं है लेकिन सिलेन्डर की परेशानी हो रही है। कुछ अस्पताल वालों ने कहा कि आक्सीजन की बहुत दिक्कत हो रही है। जेआर अस्पताल, शर्मा अस्पातल, यथार्थ अस्पताल की तरफ से जबाब मिला आक्सीजन नहीं है, प्रशासन से बात करिए। यही हाल शहर के अस्पतालों में बेड का है, जिस भी अस्पताल में फोन किया जा रहा है, वहां पर मरीजों को भर्ती करने के लिए बेड की उपलब्धता नहीं है। वहीं कई मरीज भर्ती होने के लिए निजी अस्पतालों का चक्कर लगा रहे थे।

लोग अपने मरीजों को भर्ती कराने के लिए जहां भी बन रहा है वहीं फोन कर रहे हैं कि उनके मरीज को एक बेड मिल सके। अस्पालों में फोन करके बात की गई तो सभी ने कहा कि स्थिति बहुत खराब है, सारी बेड खाली नहीं है। वहीं प्रशासन की तरफ से कोई भी माकूल जवाब देने के लिए तैयार नहीं है।

सार संक्षेप

आबकारी विभाग ने की छापेमारी, मुकदमा दर्ज

हापुड़। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दृष्टिगत जिलाधिकारी हापुड़ व पुलिस अधीक्षक के आदेशों का पालन करते हुए जिला आबकारी अधिकारी महेंद्र नाथ सिंह के नेतृत्व में विशेष अभियान के अन्तर्गत सोमवार को आबकारी निरीक्षक सीमा कुमारी की टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र के ग्राम नयागांव के जंगल से लगभग 2000 किग्रा0 लहन नष्ट किया गया तथा 25 लीटर अवैध कच्ची शराब के अलावा शराब बनाने के उपकरण बरामद कर आबकारी अधिनियम की धारा में मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई। जिला आबकारी अधिकारी महेंद्र नाथ सिंह ने बताया कि मदिरा की रोकथाम हेतु इस प्रकार का अभियान निरंतर आगे भी जारी रहेगा।

लॉकडाउन का उल्लंघन करने वाले तीन दुकानदार पर मुकदमा दर्ज

दनकौर। कस्बा निवासी तीन दुकानदारों पर रात्रि कर्फ्यू का उल्लंघन करने के आरोप में दनकौर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले आरोपितों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कस्बा निवासी अजर जूस विक्रेता है और जमील फल बेचने का काम करता है इसके अलावा मुकेश आमलेट बनाता है। आरोप है कि सभी तीनों दुकानदारों द्वारा कोरोना महामारी के दौरान शासन द्वारा घोषित किये गए रात्रि कर्फ्यू का उल्लंघन करके दुकानें खोली गईं थीं। जांच के दौरान पुलिस ने तीनों दुकानदारों को दोषी पाया और उनके विरुद्ध महामारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय, रबूपुरा
Mob.: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

युवती के परिजनों पर युवक की टांग तोड़ने का आरोप

दनकौर, 20 अप्रैल (देशबन्धु)। क्षेत्र के सालेपुर गांव में एक युवती के परिजनों पर एक युवक के घर में घुसने पर उसकी दोनों टांगें तोड़ने का आरोप लगा है। इस घटना में आरोपित कि दोनों टांग टूट गई। जिसका पास के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। मंगलवार को कोतवाली पहुंचकर दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ शिकायत दी है। गांव निवासी एक व्यक्ति का आरोप है कि सोमवार की देर रात को उनके पड़ोस का एक युवक उनके घर में घुस गया। जहां आरोपित उनकी बेटी के साथ छेड़छाड़ करने लगा। जिसकी आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे परिजनों ने आरोपित को मौके पर ही धर दबोचा। युवती के परिजनों का आरोप है कि दीवार कूदते वक्त आरोपित कि दोनों टांगें टूट गई। वहीं, युवक के परिजनों का आरोप है कि उन्होंने उनके बेटे को घर में बंधक बनाकर डंडों से पुरानी रंजिश के चलते उसकी दोनों टांगें तोड़ी है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले में जांच की जा रही है। जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस दबिश में भाग रहे बदमाश की गिरने से मौत

दादरी में दरोगा अख्तर खान की हत्याकांड मामले में चल रहा था फरार

ग्रेटर नोएडा, 20 अप्रैल (देशबन्धु)। दरोगा हत्याकांड के आरोपी को पकड़ने गई पुलिस की दबिश की आहट पाकर भागने के प्रयास में बदमाश की गिरने से घायल हो गया, जिसे अस्पातल में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बीटा दो कोतवाली पुलिस की ओमीक्रोन एक सेक्टर में दबिश के दौरान खिड़की से कूद कर भाग रहे बदमाश चांद की गिरने से मौत हो गई। पूर्व में बदमाश दादरी में वर्ष 2015 में हुई दारोगा अख्तर खान की हत्या के मामले में जेल जा चुका था। वर्तमान में उसका जीजा इमरान पुलिस मुठभेड़ के मामले में फरार चल रहा है। इमरान के फ्लैट में होने की सूचना पर पुलिस ने दबिश दी और वहां बदमाश की मौत हो गई।

वहीं बदमाश के स्वजन ने पुलिसकर्मियों पर तीसरी मंजिल से फेंकने का आरोप लगाया है। दरअसल, चोरी के कारों को बेचने व खरीदने के में इमरान फरार चल रहा था। बीते दिनों पुलिस से मुठभेड़ के दौरान उसके साथी पकड़ गए थे, जबकि वह पुलिस पर फायरिंग कर फरार हो गया था। सोमवार दोपहर पुलिस को सूचना मिली कि इमरान अपने रिश्तेदारों लुकमान व चांद के साथ ओमीक्रोन एक सेक्टर के फ्लैट में छिपा है। बीटा-दो कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और फ्लैट में दबिश दी। फ्लैट में चांद व लुकमान मिले। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही थी तभी चांद ने तीसरी मंजिल की खिड़की से भागने का प्रयास किया। खिड़की टूट गई और वह जमीन पर आ गया। उसको उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। जहां उसकी मौत हो गई। चांद पर लूट, डकैती, गैंगस्टर एक्ट सहित कुल 14 मुकदमें दर्ज है। स्वजन ने चांद व लुकमान के साथ मारपीट का आरोप लगाया है। अलीगढ़ में भी इमरान के खिलाफ चोरी के मुकदमें दर्ज है। वह मूल रूप से जहांगीरपुर का रहने वाला है। अलीगढ़ पुलिस की दबिश के दौरान उसके घर से चोरी की बोलेरो बरामद हुई थी। राजेश कुमार सिंह, डीसीपी ग्रेटर नोएडा ने बताया कि पुलिस दबिश देने गई थी। खिड़की से भागने के प्रयास के दौरान चांद तीसरी मंजिल से गिरा। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। वह शातिर किस्म का अपराधी था। दारोगा हत्याकांड में शामिल था।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों के साथ बैठक कर दिए दिशा निर्देश

हापुड़, 20 अप्रैल (देशबन्धु)। जिलाधिकारी अनुज सिंह के द्वारा कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुए अपर जिलाधिकारी व मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा संबंधित अधिकारियों के साथ जूम के माध्यम से बैठक की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रेखा शर्मा को स्वास्थ्य विभाग के पास उपलब्ध सभी संसाधनों का उपयोग कोविड संक्रमण को नियंत्रित करने में प्राथमिकता के साथ किए जाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती गंभीर रोगियों की सूची प्राप्त करने हेतु आदेश बनाकर अस्पतालों को जारी करें तथा अस्पताल में उपलब्ध बेडों की सूची भी शेयर करें। उन्होंने अपर जिलाधिकारी से कहा कि प्रत्येक अस्पताल में एक तहसीलदार न्यायिक की तैनाती कर दें और समस्त उप जिला अधिकारी गण अस्पतालों का समय-समय पर निरीक्षण करते रहे। निजी नर्सिंग होम के चिकित्सक बिना मुख्य चिकित्सा अधिकारी से वार्ता करें कोविड के मरीजों को भर्ती न करें। उन्होंने कहा कि कंटेनमेंट जोन में कोविड संक्रमित मरीजों के संपर्क में आए व्यक्तियों को भी कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए चिकित्सीय परामर्श उपलब्ध कराया जाए। सर्वे व कांटेक्ट ट्रेसिंग की गुणवत्ता में वृद्धि की जाए। उन्होंने समस्त खंड विकास अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि टीकाकरण के कार्य में फिर से प्रगति लाई जाए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कंप्यूटर पर की जा रही फीडिंग के कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने कंट्रोल रूम में रखी पंजिका के रखरखाव पर ध्यान देने हेतु संबंधित को निर्देश दिए।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी जयनाथ यादव ने भी कहा कि कंट्रोल रूम में उपस्थित कर्मचारी गण उचित दूरी बनाकर ही कार्य को संपादित करेंगे तथा मास्क व सैनिटाइजेशन का भी ध्यान रखें।

खेतों में अवशेष जलाने से पर्यावरण दूषित

रबूपुरा, 20 अप्रैल (देशबन्धु)। सरकार की सख्ती के बावजूद भी खेतों में जल रहे फसल के अवशेष पर्यावरण दूषित हो रहा है। एनजीटी नियमों को दरकिनार कर आवोहवा को खराब कर रहे लोगों के खिलाफ प्रशासन भी कोई कार्रवाई करने से बचता नजर आ रहा है। ऐसा ही नजारा मंगलवार को क्षेत्र में मेंहदीपुर गांव के समीप जंगल में उस समय नजर आया जब ग्रामीणों ने गेंहू की फसल को मशीन के कटवाने के बाद खेत में पड़े पराली अवशेषों में आग लगा दी। देखते ही देखते आग की चिंगारी दर्जनों बीघा खेतों में फैल गई और उससे लपटों के साथ भारी धुंए का गुब्बार उठ कर काफी दूर तक छाने लगा। जिसके कारण कुछ समय के लिए नजदीकी ग्रामीणों का सांस लेना भी दुश्वार हो गया। इसकी चपेट में आकर कई हरे-भरे वृक्ष भी झुलस गए।

ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ किसान नियमों की अनदेखी कर अपने निजी फायदे के लिए पराली अवशेषों में आग लगा रहे हैं। जिसके कारण हवा में जहर घुल रहा है तथा प्रशासन ऐसे किसानों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है।

स्कूटी सवार बदमाशों ने दिनदहाड़े लूटा, जांच में जुटी पुलिस

हापुड़, 20 अप्रैल (देशबन्धु)। पिलखुवा कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-9 पर दिनदहाड़े दूध सप्लायर के मुनीम से स्कूटी सवार दो बदमाश लाखों रुपए लूटकर मौके से फरार हो गए। हालांकि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी हुई है। बताया जाता है कि पीड़ित मुनीम वारदात के वक्त दूध की सप्लाई करके पेमेंट लेकर कैंटर से पिलखुवा लौट रहा था। जानकारी के मुताबिक कोतवाली क्षेत्र के खैरपुर खैराबाद गांव निवासी कौशल एक दूध कंपनी में सप्लायर है। उसकी सप्लाई पिलखुवा के अलावा डासना, मसूरी एवं अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में होती है। कौशल ने अपने पास मध्यप्रदेश निवासी प्रमोद को बतौर मुनीम के रूप में रख रखा है। दूध की सप्लाई और पैमेंट प्रमोद ही लेकर आता है। पीड़ित के अनुसार रोजाना की तरह वह डासना में दूध की सप्लाई करने के बाद पैमेंट लेकर कैंटर से पिलखुवा लौट रहा था। जैसे ही केंटर जिंदल नगर के समीप पहुंचा तो स्कूटी सवार दो युवकों ने ओवर टेक कर कैंटर को रुकवा दिया और बड़ी तेजी के साथ एक बदमाश ने डंडा मारकर कैंटर का शीशा तोड़ दिया। दूसरे बदमाश ने कैंटर में घुसते हुए प्रमोद को जान से मारने की धमकी दी और नकदी से भरा बैग छीनकर पलक झपकते ही दोनों बदमाश मौके से फरार हो गये। आनन फानन में पीड़ित ने अपने साथ हुई लूट की वारदात की सूचना मालिक को दी। वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय राजमार्ग हाईवे पर दिनदहाड़े हुई लूट की सूचना पाकर पिलखुवा पुलिस में हड़कंप मच गया और तत्काल मौके पर पहुंचकर पुलिस क्षेत्राधिकारी डॉ. तेजवीर सिंह एवं थाना प्रभारी निरीक्षक नरेश कुमार सिंह बदमाशों की तलाश में सघन जांच अभियान चलाया, लेकिन बदमाशों का कुछ पता नहीं चल सका। पीड़ित का कहना है कि बैग में लगभग डेढ़ लाख रुपए की राशि थी। थाना प्रभारी निरीक्षक नरेश कुमार सिंह का कहना है कि प्रथम दृष्टिगत मामला संदिग्ध लग रहा है। लेकिन फिलहाल पीड़ित द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर मामले की गहनता के साथ जांच की जा रही है।

प्रबंधन के छात्रों को वर्चुअल कंपनी का कराया गया भ्रमण

कोरोना के डर से छात्रों को फिजिकल रुप से कंपनी का नहीं कराया जा रहा है भ्रमण

ग्रेटर नोएडा, 20 अप्रैल (देशबन्धु)। आईटीएस इन्जीनियरिंग कॉलेज में एमबीए विभाग द्वारा छात्रों को याकुल्ट डेनोन इंडियन प्राइवेट लिमिटेड में एक दिवसीय वर्चुअल औद्योगिक भ्रमण कराया गया। याकुल्ट कंपनी के जनसंपर्क प्रबंधक तुषार कुमार ने वर्चुअल वीडियो कॉलिंग के माध्यम से सभी छात्रों को प्लांट का दौरा कराया। उन्होंने याकुल्ट ड्रिंक में इस्तेमाल होने वाले बैक्टीरिया के बारे में कुछ बेहतरीन तथ्य भी बताए और कहा कि याकुल्ट की उत्पादन क्षमता प्रतिदिन एक मिलियन बोतल है। यह कंपनी 8 एकड़ में फैली हुई है और इसमें से 30 से अधिक ग्रीन बेल्ट क्षेत्र है कंपनी को अतरराष्ट्रीय मानको के अनुसार बनाया गया है और स्वच्छता मानको के उच्चतम स्तर को बनाए रखने और उपभोक्ताओं को सर्वोत्तम गुणवत्ता वाले उत्पाद वितरित करने के लिए डिजाइन का विशेष ध्यान रखा गया है। याकुल्ट बनाने की प्रक्रिया पूरी तरह से स्वचालित है और किसी भी समय मानव स्पर्श नहीं है। इस यात्रा के दौरान छात्रों को संयंत्र के कामकाज से अच्छी तरह वाकिफ कराया गया। याकुल्ट प्रोबायोटिक पेय भारत मे 2008 में लांन्च किया गया था। वर्तमान में दिल्ली एनसीआर, चंडीगढ़, पंजाब, जयपुर, लखनऊ, कानपुर, मुंबई, पुणे, हैदराबाद, अहमदाबाद और कोलकाता में उपलब्ध है। छात्रों ने उत्पादन कार्यों को सूक्ष्मता से देखा और संयंत्र को वस्तुत देखते हुए परिचालान कार्यों को ध्यान पूर्व समझा। इस औद्योगिक भ्रमण में विभाग के शिक्षक सचिन सिन्हा का विशेष सहयोग रहा विभाग द्वारा इस भ्रमण का अवसर प्रदान करने हेतु कंपनी का धन्यवाद किया गया।

शिकारियों ने किया वन गाय का शिकार, आरोपी फरार

- **पुलिस कर रही कड़ी कार्रवाई का दावा**
- **कस्बा समेत क्षेत्र में पनप रहा पशुओं के अवैध कटान का भी कारोबार**
- **शिकायत के बावजूद भी कार्रवाई नहीं**

रबूपुरा, 20 अप्रैल (देशबन्धु)। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत वन्य जीवों के शिकारियों का एक बार फिर सक्रिय होने का मामला प्रकाश में आया है। मंगलवार को उपरोक्त ने क्षेत्र में घूमने वाली वन गायों को अपना निशाना बनाते हुए उनकी हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस को देख आरोपी मौके पर बाइक छोड़ फरार हो गए। सूत्रों के मुताबिक करीब एक दर्जन शिकारियों ने 2 से 3 वन गाय की हत्या की है तथा पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लिया है।

उधर पुलिस एक गाय का शिकार करने का हवाला देते हुए संज्ञान में रहे आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई का दावा कर रही है। जानकारी अनुसार गांव मेंहदीपुर के समीप मंगलवार को करीब एक दर्जन शिकारियों ने वन गायों को निशाना बनाते हुए गन शॉट से उसका शिकार किया। बताया जाता है कि बंटवारें को उसे काटते समय किसी ने पुलिस को इसकी सूचना दी। जिसके बाद भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा जिसे देख आरोप अपनी एक बाइक को मौके पर छोड़ फरार हो गए। पुलिस ने वन विभाग व चिकित्सकों की टीम बुलाकर पोस्टमार्टम के बाद गायों का दफ्ना दिया। उधर जहां पुलिस एक वन गाय की हत्या करने एवं इसमें 4 से 5 पांच लोगों के शामिल होने के दावे के साथ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की बात कह रही है तो वहीं सूत्रों का कहना है कि 10-12 लोगों ने मिलकर 2 से 3 गाय की हत्या की है जिसमें अधिकांश गांव के लोग शामिल हैं।

यह कोई पहली बार नहीं हुआ है अक्सर यहां शिकारी सक्रिय रहते हैं एवं शिकार के लिए गांव के समीप पुरानी यमुना में दलदल सा बना हुआ है तथा जंगल से लाकर इन्हें उसमें गिराकर आसानी से शिकार कर लिया जाता है।

पूर्व में ही सामने आए हैं वन जीवों के शिकार के मामले

लोगों की मानें तो क्षेत्र में वन जीवों के शिकार का यह कोई पहला मामला नहीं है। पूर्व में भी नील गाय, काले हिरन जैसे जीवों के शिकार की दर्जन भर से अधिक घटनाएं सामने आ चुकी है लेकिन प्रशासनिक उदासीनता के कारण चंद आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर पल्ला झाड़ लिया जाता है एवं अधिकांश आरोपी कार्रवाई से बच निकलते हैं। हालांकि स्थानीय पुलिस अभियुक्तों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का दावा कर रही है।

क्षेत्र में होता है पशुओं का अवैध कटान

लोगों के मुताबिक वन जीवों के तो कई मामले सामने आ ही चुके हैं इसके साथ ही क्षेत्र में कस्बा समेत अन्य विभिन्न स्थानों पर पशुओं के अवैध कटान का कारोबार भी फल फूल रहा है। जिसमें प्रतिबंधित पशुओं के काटे जाने की आशंका को भी नहीं नकारा जा सकता है लेकिन स्थानीय प्रशासन इसके बावजूद भी मूकदर्शक बना रहता है। उपरोक्त सम्बंध में महीनों पूर्व विभिन्न उच्चाधिकारियों से भी शिकायत की जा चुकी है लेकिन आज तक कोई कार्रवाई अमल में नहीं लाई जा सकी है, जिसके चलते इनके हौसले निरन्तर बुलंद हो रहे हैं।

ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
भूखण्ड संख्या-1, सैक्टर के0पी0-4 ग्रेटर नौएडा सिटी
जि0-गौतमबुद्व नगर, उ0प्र0।
सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कोपरेटिव आवासीय भूखण्डों की योजना के अन्तर्गत आवंटन संख्या-C17009, क्षेत्रफल-200 वर्ग मीटर ग्रेटर नौएडा, (भूखण्ड संख्या आवंटित नही है) श्री अनिल कुमार गर्ग के पक्ष में आंवटित है। आवंटी श्री अनिल कुमार गर्ग की मृत्यु दिनांक 30.11.2020 को हो गयी है। मृतक आवंटी श्री अनिल कुमार गर्ग की पत्नी श्रीमती सुमन गर्ग ने उपरोक्त भूखण्ड को पूर्ण रूप से अपने पक्ष में म्यूटेशन/नामान्तरण करने हेतु प्राधिकरण में आवेदन किया है। इस म्यूटेशन के सम्बन्ध यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में श्री अनिल कुमार गर्ग के स्थान पर श्रीमती सुमन गर्ग पत्नी स्व0 श्री अनिल कुमार गर्ग के नाम पूर्ण रूप से दर्ज कर दिया जायेगा।
उप महाप्रबंधक (सम्पत्ति)
ग्रेटर नौएडा औ0 वि0 प्राधिकरण